अन्तर्राष्ट्रीय चीता दिवस :-

04 दिसम्बर, 2015 को राजस्थान विश्वविद्यालय कैम्पस में अन्तर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर एक कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का केन्द्र बिन्दु जैव विविधता में बड़ी बिल्ली प्रजातियों का महत्त्व रहा। इसके अतिरिक्त नमभूमि सांभर एवं केवलादेव घना भरतपुर की विशेष जैव विविधता पर मुख्यवक्ता श्री परबत सिंह राठौड़ द्वारा प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती अनिता कटारा माननीया, विधायक सागवाड़ा एवं अध्यक्ष प्रोफेसर संगीता शर्मा द्वारा भी अपने विचार प्रकट किए गए।

एनसीसी कैडेट्स ने जाना जैव विविधता का महत्त्व :-

राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड की ओर से राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स को राज्य की समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन में उनकी अहम भूमिका के प्रति जागरूक करने के लिए दो दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बोर्ड के प्रबंधक देवेन्द्र कुमार भारद्वाज ने जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ ही पंचायत स्तर पर जैव विविधता प्रबंध समितियों के गठन एवं लोक जैव विविधता पंजिका निर्माण में युवा पीढ़ी की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजन परबत सिंह राठौड़ ने जैव विविधता में वन्य जीवों के महत्त्व पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर राज्य पक्षी गोडावण एवं लुप्त हो रही गिद्ध प्रजातियों के संरक्षण पर भी जानकारी दी गई।

Scanned by CamScanner